हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 12 मई 2025

11 भगवान परशुराम को याद कर, लिया उनके...

12 अटेली रोड की हालात है वर्षों से खस्ता, 50 हजार की...

सड़कों के किनारे रखे फ्लेक्स बोर्ड हवा में उठ गए

शाम को अचानक बदला मौसम, तेज अंधड़, बिजली गुल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सायं करीब सात बजे मौसम में अचानक बदलाव आया और तेज अंधड़ शुरू हो गया। जिसके कारण शहर व ग्रामीण क्षेत्र की बिजली गुल हो गई। वहीं तेज आंधी के कारण शहर में दुकानों के सामने व सड़कों के किनारे रखे फ्लेक्स बोर्ड हवा में उठ गए। आंधी के कारण बिजली गुल होने से शहर में अंधेरा छाया गया। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मई का महीना ठंडा-ठंडा कूल बना हुआ है। एक के बाद एक पश्चिमी विक्षोभों के सक्रिय होने से मई महीने की शुरूआत से ही लगातार दोपहर बाद मौसम में बदलाव, बादलों की आवाजाही व तेज गति से हवाएं चलने, अंधड़ के साथ हल्की बारिश, बूंदाबांदी की गतिविधियों से लगातार मौसम परिवर्तनशील बना हुआ है। जिससे सम्पूर्ण इलाके में लगातार तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है।

नारनौल। सायं करीब सात बजे चली तेज आंधी। फोटो : हरिभूमि

क्या कहते है मौसम विशेषज्ञ

मौसम विशेषज्ञ डा. चन्द्र मोहन ने बताया कि जैसे ही यह मौसम प्रणाली 11 मई को सम्पूर्ण इलाके से आगे निकली, 11 मई को ही एक और कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से फिर से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। कुल मिलाकर 15 मई तक मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा। जिससे मई महीने का पहला पखवाड़ा ठंडा बना रहेगा। इसके बाद धीरे-धीरे सम्पूर्ण इलाके में तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। जिससे आमजन को फिर से भीषण गर्मी का सामना करना पड़ेगा।

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से तापमान में गिरावट

- मौसम में परिवर्तन आने से आमजन को मिल रही गर्मी से राहत
- बूंदाबांदी और बारिश से मई का महीना हुआ ठंडा-ठंडा कूल
- आगामी दिनों में फिर से होगी तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी

बता दें कि इस साल मई महीने में झुलसाने वाली गर्मी व हीट वेव के तेवरों को पश्चिमी मौसम प्रणालियों की श्रृंखला ने ढीले कर दिया, साथ ही साथ बढ़ते हुए तापमान पर अंकुश लगा रखा है। वर्तमान परिदृश्य में एक और नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पाकिस्तान व उसके आसपास के क्षेत्रों में निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में देखा जा रहा है, जो रात तक उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय हुआ। जिसकी वजह से दक्षिणी पंजाब व उत्तरी राजस्थान पर एक चक्रवातीय सर्कुलेशन बनने से सोमवार को भी हरियाणा एनसीआर दिल्ली में फिर से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। जिसके चलते पहले हरियाणा के पश्चिमी जिलों सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, चरखी दादरी, महेंद्रगढ़ व दक्षिणी हिस्सों में साथ ही उत्तरी हिस्सों में तेज गति से हवाएं चलने, अंधड़ व हल्की बारिश, बूंदाबांदी एक दो स्थानों पर ओलावृष्टि की संभावना है, जबकि शेष हरियाणा एनसीआर दिल्ली में हल्की बिखराव वाली बारिश, बूंदाबांदी व तेज गति से हवाएं चलने की संभावना बन रही है।

तापमान सामान्य से कम दर्ज

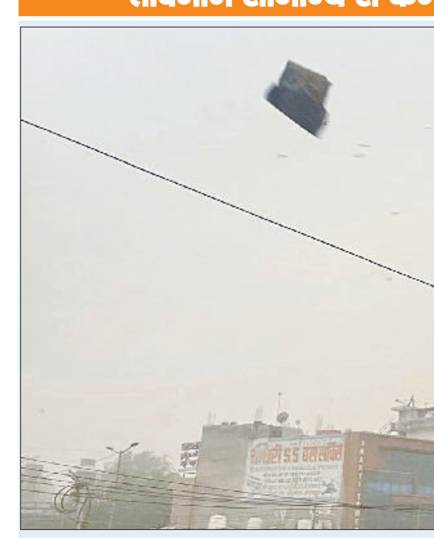

नारनौल। सायं करीब सात बजे चली तेज आंधी।

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, चरखी दादरी, रोहतक, झज्जर, कैथल, जींद, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी जिलों में हल्की बारिश, बूंदाबांदी हुई। जिसके कारण हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर दिन व रात के तापमान सामान्य से नीचे बने हुए हैं। रविवार को जिला में नारनौल, अटेली, महेंद्रगढ़, कनीना में बिखराव वाली हल्की बारिश, बूंदाबांदी हुई। वहीं जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ का दिन तथा रात का तापमान क्रमशः 33.7 व 22.0 डिग्री सेल्सियस और 35.6 व 22.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

खबर संक्षेप

मंडी अटेली। स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय पर उपस्थित हटाए गए कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

निगम से हटाए गए कर्मियों ने सौंपा ज्ञापन

मंडी अटेली। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर हरियाणा कौशल रोजगार निगम से विभिन्न विभागों से हटाए गए कर्मचारियों ने स्वास्थ्य मंत्री आरती राव की कार्यालय पर उनके पीए को एक ज्ञापन सौंपा, जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान कौशल कुमार यादव ने की। मंच का संचालन जिला सचिव राहुल सारवान ने किया।

ज्ञापन में बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा कौशल रोजगार के विभिन्न विभागों में कर्मचारियों हटाया गया है। उन सभी को तुरंत प्रभाव से दोबारा से ज्वाइन करवा जाए। इस मौके पर सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य सचिव महेंद्र सिंह बोयत, अमित, कुलदीप, हर्ष, भगवानदास, गौरव, सरताज, जिला सचिव सुरेंद्र कुमार व अरुण आदि नेता मौजूद रहे।

गांव गहली में दिल का दौरा पड़ने से मौत

नारनौल। गहली गांव के करीब 28 वर्षीय सुनील कुमार पुत्र लीलाराम की अचानक दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। जानकारी मुताबिक सुनील फोटोग्राफर का काम करता था। बीती मध्य रात्रि के उसकी तबीयत खराब हो गई। जी घबराने एवं उल्टी आने पर उसे डाक्टर के पास ले जाया गया, जिसने बीपी वगैरा चेक करके उसे दवा दे दी, लेकिन जब उसे घर लाया गया तो वह एकदम अचानक से जमीन पर गिर पड़ा। परिजन उसे नारनौल लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अब तक नहीं हुई अज्ञात शव की पहचान

नारनौल। अटेली के चंपा देवी स्कूल के समीप मिले करीब 55 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति की अब तक पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेने उपरांत उसे नारनौल अस्पताल पहुंचाया तथा शव का पोस्टमार्टम करवाकर उसे अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। शव की पहचान नहीं होने के चलते 72 घंटे उपरांत शव का अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा।

ब्राह्मण सभा सतनाली की बैठक 25 को

सतनाली मंडी। सोंहासरिया धर्मशाला सतनाली में 25 मई को श्री गौड़ ब्राह्मण सभा इलाका सतनाली की बैठक का आयोजन किया जाएगा। सभा प्रधान कैप्टन अशोक कुमार ने बताया कि बैठक में आवश्यक मुद्दों व समाज उत्थान आदि पर चर्चा की जाएगी। यह निर्णय कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक में लिया गया। उन्होंने समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में बैठक में पहुंचने का आह्वान किया।

नारनौल डिविजन को आम दिनों में मिलता था 400 क्यूसिक नहरी पानी

नहरों में पानी आना बंद, स्थिति गंभीर अब पूरे महीने बना रहेगा जल संकट

अबकी बार मिला है महज 150 क्यूसिक पानी, कैसे हो समुचित आपूर्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

इस बार जरूरत से भी कम नहरी पानी मिला है। पिछले महीनों में नारनौल डिविजन को लगभग 400 क्यूसिक नहरी पानी मिलता था, लेकिन अबकी बार महज 150 क्यूसिक ही पानी मिला है। जिस कारण वाटरटैंक भी आधू-अधूरे ही भर पाए हैं। इसके चलते इस बार पूरे महीने इस डिविजन के अधीन आने वाले नारनौल एवं नांगल चौधरी विधानसभा के गांवों में घोर जल संकट बना रहेगा।

नहरी पानी योजनाओं से जुड़े टैंकर खाली रह जाने के कारण इस बार पूरे महीने जनस्वास्थ्य विभाग पानी की राशनिंग करेगा। ऐसे में लोगों को पानी की एक-एक बूंद का सोच-समझकर प्रयोग करना होगा। जैसा कि सर्व विदित है इस बार हरियाणा का पंजाब से नहरी पानी को लेकर विवाद बना हुआ है। इसी विवाद के कारण प्रदेशवासियों को पर्याप्त नहरी पानी नहीं मिल पाया है, जिसका सबसे ज्यादा बुरा असर प्रदेश के अंतिम छोर पर बसे एवं लगभग पूरी तरह नहरी पेयजल योजनाओं पर निर्भर महेंद्रगढ़ जिले पर पड़ा है।

इस जिले में भी अगर अन्य क्षेत्रों की तुलना में बात करते तो नारनौल एवं नांगल चौधरी ऐसे क्षेत्र हैं, जहां पानी की सर्वाधिक समस्या बनी हुई है। केंद्रीय जल बोर्ड ने इन दोनों ही क्षेत्रों को डार्क जोन घोषित किया हुआ है तथा इन क्षेत्रों में कृषि के लिए नए ट्यूबवेल लगाने पर पूर्ण प्रतिबंध है। पानी जमीन के अधिक गहराई तक रसातल में चले जाने से यहां पर ट्यूबवेल अब लगभग सूखे पड़े हैं। इन्हीं कारणों के चलते यह एरिया अब पूर्णतया नहरी पानी पर निर्भर रहने लगा है। नारनौल एवं नांगल चौधरी दोनों ही क्षेत्रों में नहरी पानी आधारित परियोजनाओं के जरिए जनस्वास्थ्य विभाग पीने के पानी की आपूर्ति करता है, लेकिन इस बार जल संकट बना रहेगा। क्योंकि पंजाब से विवाद के चलते हरियाणा को आधे से भी कम पानी मिला है। जबकि पंजाब से मिले पानी को ही नहरों द्वारा नारनौल-महेंद्रगढ़ तक पहुंचाया जाता है। इस बार 28 अप्रैल को नारनौल पानी पहुंच जाना था, लेकिन विवाद के चलते कम पानी मिलने के कारण इस बार 6 मई को नारनौल पानी पहुंचा था और अब वह पानी बंद भी हो चुका है। इस प्रकार एक सप्ताह भी रेगुलर नहरी पानी नहीं मिल पाया, जबकि यह 15 दिन चलना था।

नारनौल। रेवाड़ी रोड पर आधा से ज्यादा खाली पड़ा वाटरटैंक। फोटो : हरिभूमि

वाटर टैंक पड़े हैं अब भी खाली

नहरी पानी कम आने के चलते नारनौल क्षेत्र में बने नहरी वाटर टैंक पूरी तरह से नहीं भर पाए हैं। शहर की पेयजल आपूर्ति के बनाए गए अधिकांश स्टोरेज वाटर टैंक अभी भी खाली पड़े हैं, जिसके चलते शहर में अभी तक नियमित पानी की सप्लाई शुरू नहीं हो पाई है। वर्तमान में शहर के अनेक मोहल्लों में सप्ताह में एक से दो बार ही पानी सप्लाई दी जा रही है। जिन मोहल्लों में नियमित रूप से पानी सप्लाई नहीं हो रहा है, वहां लोग टैंकर मंगवाकर पानी की आपूर्ति करने को मजबूर हैं। इस प्रकार नहरों में नियमित पानी नहीं चलने तक क्षेत्र में पेयजल की समस्या बने रहने की संभावना है।

यह बोले कार्यकारी अभियंता

नहर विभाग के कार्यकारी अभियंता नितिन भार्गव ने बताया कि इस बार नहरी पानी कम मात्रा में आया है। पहले आम सुचारु दिनों में नारनौल डिविजन को लगभग 400 क्यूसिक पानी मिलता था, लेकिन अबकी बार महज 150 क्यूसिक ही पानी मिल पाया है। ऐसे में पानी की हालत कमजोर है। नहरी पानी नहीं मिलने से वाटर टैंक पूरी तरह से नहीं भर पाए हैं।

यह बोले जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ

जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ मुकेश शर्मा ने बताया कि इस बार नहरी पानी काफी कम मात्रा में मिला है। इस कारण नहरी वाटर टैंक पूरी तरह से नहीं भर पाए हैं। कम पानी आने के कारण ही अब राशनिंग का सहारा लेना पड़ रहा है। गर्मी का सीजन होने के चलते ज्यादा पानी की जरूरत थी, लेकिन कम पानी मिलने से संकट बन गया है। लोगों को भी चाहिए कि वह जरूरत के समय भी सोच विचार कर पानी का प्रयोग करें और इसकी बचत करें।

धड़ाधड़ चल रहे ट्रैक्टर वाले वाटरटैंक

अधिकांश मोहल्लों में लोग टैंकर मंगवाकर पानी भरने को मजबूर हैं। एक टैंकर 350 से 400 रुपये में डाला जा रहा है, जो मुश्किल से 8 से 10 दिन चलता है। टैंकरों की मांग बढ़ने से समय पर टैंकर भी नहीं मिल पा रहे हैं। गर्मी का सीजन होने के चलते आजकल पानी की डिमांड पीक पर बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों का जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित होने लगा है। घर की महिलाएं एक-एक घड़ा पानी के लिए दर-दर भटकने को मजबूर होने लगी हैं।

कनीना। मुंडियाखेड़ा में पशु पेयजल टंकी को भरवाते ग्रामीण। *फोटो : हरिभूमि*

कनीना के मुंडियाखेड़ा में पेयजल की भारी किल्लत

- ग्रामीण पानी का टैंकर डलवाने को मजबूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

गांव मुंडियाखेड़ा की अनुसूचित जाति बस्ती में पिछले पखवाड़ेभर से पेयजल की समस्या बनी हुई है। इस बारे में बाबूलाल व रणजीत सिंह ने बताया कि गांव से सप्लाई होने वाला पानी नहीं पहुंचने पर ग्रामीण पानी का टैंकर डलवाने को मजबूर हैं। उन्होंने बताया कि गांव की चौपाल के पास बनी पशु पेयजल टंकी पिछले दिनों से पानी के अभाव में सूखी पड़ी थी। जिसे रविवार को पानी के टैंकर से भरवाया गया है। उन्होंने बताया कि मनुष्यों की भांति गर्मी के मौसम में मवेशी पानी की तलाश में दर दर भटक रहे हैं। उनके जीवन पर संकट के बादल मंडराए हुए हैं। टैंकर से पानी लेने पर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा।

अनियंत्रित कार पेड़ टकराई छात्र की मौत, तीन घायल

महेंद्रगढ़। गांव खातोदड़ा के समीप शनिवार की देर शाम स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पेड़ से जाकर टकरा गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हुए हैं। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

गांव बलाना से चार छात्र स्कार्पियो गाड़ी में सवार होकर गांव बलाना से एक निजी कालेज से परीक्षा देकर महेंद्रगढ़ की ओर आ रहे थे। गाड़ी में पंचगांव निवासी 20 वर्षीय नितिन, दादरी के गांव जूई निवासी यश, गांव बाढडा निवासी संजीव व पिचौपा खुर्द निवासी अंकित सवार थे। गांव खातोदडा के समीप उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकराई। घायलों को महेंद्रगढ़ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टरों ने जांच के बाद नितिन को मृत घोषित कर दिया। वहीं यश को गंभीर चोटें होने के कारण हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। जबकि संजीव व अंकित का उपचार महेंद्रगढ़ के निजी अस्पताल में चल रहा है।

महेंद्रगढ़। हादसे के बाद मौके पर पड़ी क्षतिग्रस्त कार। *फोटो : हरिभूमि*

खातोदड़ा के नजदीक हादसा

सदर थाना प्रभारी मुकेश कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि गांव खातोदड़ा के नजदीक सड़क दुर्घटना हो गई है। सूचना पाकर टीम मौके पर पहुंची। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं एक युवक की मौत हो गई है। तीन घायल हो गए।

तोबड़ा में प्रॉपर्टी डीलर गैंग पर जमीन कब्जाने का आरोप, मामला पहुंचा थाने

- शिकायत मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी
- आरोपित सरपंच बोला-उसने जमीन खरीदी, आरोप बेबुनियाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली खंड के एक सरपंच व एक सरकारी अध्यापक पर अवैध रूप से जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगा है। इस बारे में एक महिला ने पुलिस में भी शिकायत दी है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। वहीं आरोपित सरपंच का कहना है कि उसने यह जमीन खरीदी है। इसलिए यह जमीन उसकी है। महिला बिना वजह आरोप लगा रही है।

गांव तोबड़ा की रहने वाली महिला पूजा ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उसके पिता 45 साल से उनकी पुश्तैनी जमीन पर खेती करते आ रहे हैं। 25 वर्षों से उन्होंने जमीन पर तार-बाड़ भी की हुई है। बीते कल शाम को साढ़े पांच बजे पड़ौसी गांव ताजपुर का सरपंच, एक सरकारी स्कूल का शिक्षक व उसके साथियों की गैंग ने उनके घर पर जमीन पर कब्जा करने की बात करने के लिए आया। उसने अपने साथ कई गाडिय़ों में लड़के बुलाए हुए थे, जिनके पास हथियार भी थे। उसने उसके साथ गाली गलोच की। इसके बाद उसने खेत में लगी तार-बाड़ को तोड़ दिया। जब उसने उसको रोकने की कोशिश की तो उसे व उसके पिता को जान से मारने की धमकी दी। उसने कहा कि हमारे पास पिस्टल भी है, उसके बल पर कब्जा कर लेंगे। इसके बाद उन्होंने डायल 112 पर फोन करके पुलिस भी बुलाई। मौके पर पहुंची पुलिस ने कब्जा करने वालों को समझाया, जिसके बाद सरपंच व अन्य लोग वहां से चले गए। महिला ने बताया कि अटेली कस्बे में एक गैंग सफेद आवरण में लोगों की जमीन का सौदेबाजी कर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं, जिसे कुछ अधिकारियों की शह मिली हुई है। पुलिस को दी गई शिकायत में महिला का कहना है कि सरपंच से उसे तथा उसके पिता को जान का खतरा है। वहीं इस बारे में गांव ताजपुर के सरपंच राजकुमार ने बताया कि यह जमीन उन्होंने किसी व्यक्ति से खरीदी है। जिसके कागजात उसके पास हैं। यह कागजात उन्होंने पुलिस को भी दे दिए। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले को शांत करवा दिया है। कानून व्यवस्था को नहीं बिगड़ने दिया जाएगा।

कनीनाः जांच शिविर में 74 मरीजों ने उठाया लाभ

कनीना। कनीना मंडी स्थित लाला शिवलाल धर्मशाला में रविवार को आयोजित 86वें हृदय, सामान्य व नेत्र रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 74 जरूरतमंद मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ उठाया। शिवकुमार अग्रवाल व योगेश कुमार ने बताया कि सेवा भारती की ओर से सुबह साढ़े 10 बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक आयोजित इस शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. विकास, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अनिल शर्मा की टीम ने मरीजों की जांच कर दवा वितरित की। उन्होंने बताया कि पांच मार्च 2017 से शुरू हुए इस स्वास्थ्य जांच शिविर को आठ वर्ष पूरे हो गए हैं। इस दौरान हजारों मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ लिया है। इस मौके पर श्यामसुदंर, अमित, राजेश कुमार, सोमदत्त, दिनेश कुमार, जगदीश गुप्ता उपस्थित थे।

वरिष्ठ नागरिक संगठन की मासिक बैठक आयोजित, अब नाम परिवर्तन राजनीतिक षड्यंत्र

कोरियावास मेडिकल कालेज का नाम महर्षि च्यवन के नाम पर रहना चाहिए: वरिष्ठ नागरिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

वरिष्ठ नागरिक संगठन की मासिक बैठक किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में प्रधान दुलीचंद शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। परंपरानुसार सर्वप्रथम जिन सदस्यों का जन्मदिन इस मास में आता है, उन उपस्थित सदस्यों श्याम सुंदर शर्मा, बृजमोहन एडवोकेट और विजय सिंह यादव रहीश को सम्मान पट पहनाकर उनको सम्मानित करते हुए उनके स्वस्थ रहने एवं दीर्घायु होने की कामना की गई।

तदुपरांत गत मास की बैठक की कार्रवाई का अनुमोदन किया गया। बैठक में सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया गया कि कोरियावास मेडिकल कालेज का नाम प्रदेश सरकार द्वारा पूर्व में पारित महर्षि च्यवन पर ही रखा रहना चाहिए। महर्षि च्यवन द्वारा इस स्थली पर अगणित समय के लिए तप यज्ञ आदि किया गया है। अब नाम परिवर्तन एक राजनीतिक षड्यंत्र है। बैठक में यह प्रस्ताव भी पारित किया गया कि वरिष्ठ नागरिकों को वातानुकूलित बसों में भी किराए की छूट होनी चाहिए। बैठक में ध्वनि मत से भारत व पाकिस्तान के बीच जारी युद्ध पर सीज फायर करने के केंद्र सरकार के लिए गए निर्णय को उचित ठहराते हुए भारत सरकार का धन्यवाद किया।

बैठक में यह भी ध्यान में लाया गया कि शहर में डीजे बहुत उंची आवाज में रात देर तक बजाते हैं। इसलिए प्रस्ताव पारित किया गया कि डीजे का समय भी तय होना चाहिए और धीमी आवाज में बजाना चाहिए, जिससे आम आदमी परेशान न हो। चामुण्डा देवी मंदिर के पास सीवर ओवरफलो हो रहा है। इसलिए इसे तुरंत ठीक करवाया जाए।

जिला प्रशासन से अनुरोध है कि वरिष्ठ नागरिकों की वर्णित समस्याओं का समाधान यथाशीघ्र करवाने का कष्ट करें। बैठक का संचालन संगठन के महासचिव मुखराम सैनी ने किया।

नरनौल। वरिष्ठ नागरिकों की बैठक लेते प्रधान दुलीचंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

बैठक में यह रहे मौजूद

बैठक में रामनिवास सैनी, रविन्द्र कुमार, चौधरी शिवलाल वर्मा, हरिद्वारीलाल वर्मा, रामबिलास यादव, सुरेश जांगिड़, रामजीलाल मित्तल, बद्रीप्रसाद गर्ग, रोहतास लाम्बा, दयाराम सैनी, बृजमोहन एडवोकेट, बीएल सैनी, विजयसिंह यादव रहीश, उमादत्त शर्मा, राजकुमार गुप्ता, कैलाश चन्द निर्मल, नरेंद्र धौलिया, सोहनलाल चौहान, उत्तमसिंह यादव, भागीरथ प्रसाद, ओपी बत्रा, जसवंत सिंह यादव, बाबूलाल गोयल एवं समाजसेवी नरेश गोगिया उपस्थित रहे।

समीर के वकील ने पेपर्स देखे, उसमें गहना ने कोई मांग नहीं की थी सिवाय डिवोर्स के। समीर को उसने आंखों के इशारे से कहा कि साइन कर दो और समीर ने साइन कर दिए। गहना कॉरिडोर के अपोजिट साइड निकल गयी और जीत का आनंद उसके चेहरे पर था। उन हजारों उठने वाली उंगलियों को नजरअंदाज कर वह बड़ी बेतकल्लुफी से चल रही थी, अपनी जिंदगी की तरफ, जिसमें वह एक विजेता थी।

कोर्ट ने एक वकील देकर मामले में काउंसलिंग करने की कोशिश भी की। पर गहना अपनी बात पर कायम रही। वैसे ही कोर्ट में भी कायम रही, विरोधी पक्ष के वकील ने उसके चरित्र तक को उछाला। भारतीय संस्कृति का हवाला भी दिया। पर गहना टस से मस न हुई। न गहना की वकील ही। क्योंकि उनके पास ठोस पेपर्स थे, समीर के दस्तखत के साथ।

कहानी

प्रतिभा सुमन शर्मा

मुझे मां नहीं बनना

तुम फिर वापस आ गयीं? पर क्यों? क्या परेशानी थी? जुमा- जुमा चार ही साल हुए हैं शादी को और चार सालों में तुम पांच बार वापस आ गयी हो, पता है तुम्हें ? मैं इकलौती औरत क्या-क्या संभालूं ? तुम्हारे बाप को तो होश नहीं रहता कि उनकी एक अदद बेटी भी है। हमेशा अपनी धुन में रहता है वह आदमी। भाई बस नाम का है, अपना घर बीवी-बच्चे इनसे कोई फुरसत मिले तो पूछेगा न तुमको, कैसी हो बहना, ससुराल में सब ठीक तो चल रहा है न ?

क्या हुआ गहना, बोलो बेटा? माँ .....! गहना- प्लीज़ रुकोगी? मैं कुछ बोलूं। हां, बताओ।
मां, मुझे मां नहीं बनना।
क्यों? चार साल हो गए हैं शादी को और फिर भी तुम्हे मां क्यों नहीं बनना?
मुझे नहीं पसंद मम्मा, प्लीज़।
क्या नहीं पसंद?
माँ बनना नहीं पसंद, मुझे मम्मा। मैंने अपनी शादी के पहले ही समीर से यह बात कर ली थी। वह इस बात पर राजी था। पर अब उसके घर वाले उसे बहुत फ़ोर्स कर रहे हैं कि चार साल हो गए बच्चा क्यों नहीं कर रहे हो। इन्फेक्ट मेरी मदर इन लॉ तो मुझे और समीर को जबरदस्ती डॉक्टर के पास भी ले गयी। उनकी जिद इतनी ज्यादा थी कि हमें जाना पड़ा डॉक्टर के पास।
क्या कहा डॉक्टर ने ?
डॉक्टर ने क्या कहना था, उसने रेगुलर चेकअप किया और बताया कि दोनों नार्मल है, कुछ प्रोटेक्शन यूज़ कर रहे हैं इसलिए कंसीव नहीं हो रहा है बस। मेरी सास समीर की तरफ ये बड़ी-बड़ी आंखें फाड़ कर देखने लगी जैसे कि डॉक्टर न होती तो वह शायद एकाद थप्पड़ तो जड़ ही देती।

समीर बिल्कुल कुछ भी नहीं बोला, न वहां, न रास्ते में और न घर आकर। उसने किसी भी तरह से बात की सच्चाई नहीं बताई। अब मम्मा बताओ, यह चीटिंग हुई कि नहीं ?
गहना, तुम मुझे एक बात बताओ कि तुमको मां ही नहीं बनना, यह बात तुमने मुझे तो नहीं बतायी?
मम्मा, छोड़ो! तुमको यह बात बताकर क्या करती मैं? तुमको तो मेरी शादी कर के अपनी जिम्मेदारी से मुक्त होना था? क्या तुम कभी समझ सकती थीं मेरी इस बात को ?
पर तुमको परेशानी क्या है बेटा? शादी के बाद तो मां बनना, तुमसे तुम्हारे मैके वालों से लेकर ससुराल वालों का बच्चा होने की उम्मीद रखना, मुझे तो कुछ गलत नहीं लगता इसमें ? सभी को करना ही पड़ता है यह? बच्चा न होने वाली औरत और उस पूरे परिवार को ही समाज बड़ी बुरी नजर से देखता है बेटा समझो !
मम्मा, कौन सा समाज? वही, उनके हमारे रिश्तेदार आजू बाजू अड़ोस- पड़ोस वाले।
सभी लोग जिस बिरादरी में उठना-बैठना होता है वही तो होता है समाज।
मम्मा, प्लीज़ मुझे ऐसे किसी भी समाज की वजह से मां नहीं बनना है। इन्फेक्ट मुझे मां बनना ही नहीं है। ऐसी औरत को लोग बांझ कहते हैं।
कहने दो मुझे बांझ। मुझे मां नहीं बनना बस।
समीर क्या कह रहा है? माँ ने पूछा।
समीर क्या कहेगा, बिल्कुल दल बदलू आदमी है। शादी करने से पहले तो बड़ा महान बन रहा था? अगर तुमको नहीं पसंद बच्चे तो हम नहीं करेंगे। और अब.... अब कह रहा है मम्मी-पापा का इतना प्रेशर है। गहना, मुझे समझ नहीं आ रहा क्या करूँ! यह सरासर चीटिंग है मेरे साथ। यह देखो, यह हम दोनों के बीच का कॉन्ट्रैक्ट।

उसने यह लिखकर दिया है कि उसे भी बच्चा नहीं चाहिए, अब वह मुकर नहीं सकता। माँ- मैं तुम लोगों की जनरेशन की नहीं हूं।
लेकिन गहना, कुछ ज्यादा ही एडवांस नहीं है तुम्हारी जनरेशन? मम्मा, एक लड़का जो शादी करना चाहता है और एक लड़की जो शादी करना चाहती है, दोनों साथ रहना चाहते हैं लेकिन बच्चा नहीं चाहते। इसमें गलत क्या है?
गलत सही कुछ भी मेरी समझ से परे है। अब तुम क्या करना चाहती हो?
कुछ नहीं। उसने कहा। मैं समीर के खिलाफ कोर्ट में केस करना चाहती हूं।
अनुसूया जी बिल्कुल हक्की-बक्की थीं अपनी बेटी का रवैया देखकर। कैसे कोई औरत ऐसी हो सकती है जिसको सच में प्रजनन की चाह ही नहीं है? तुम नौकरी करती हो और तुम खुद कमाती-खाती हो, इसलिए आज तुमको यह लगता होगा बेटा पर हाथ-पैर जवाब देने लगेंगे तब कोई तो सहारा चाहिए होता है न बुढ़ापे में ?
मम्मा, इसका जवाब तो खुद तुम हो, तुम मुझसे क्या जवाब मांगती हो?
कुछ दिन बीत गए। न समीर का फ़ोन आया, न ससुराल से कोई बुलावा आया। गहना रोज नौकरी पर जाती और वापस आती। बाप दारू पीकर तरह-तरह के सवाल करता। कभी-कभी समीर को फ़ोन लगाता पर समीर नहीं उठाता था उनका फ़ोन। फिर गहना को भला-बुरा कहते। एक दिन गहना नौकरी से वापस आयी, तभी पापा दरवाजे में खड़े हो गए और बेटी को कहने लगे 'जाओ अपने घर उल्टे पैर लौट जाओ।' अनुसूया जी बीच में पड़ी और गहना को घर में लिया। पापा भली-बुरी बातें सुनाते रहे।

सुबह जब तैयार होकर गहना निकल रही थी तब माँ ने कहा कि कहीं हॉस्टल में जगह देख लो रहने के लिए, क्योंकि तुम्हारे पापा तुमको यहां जीने नहीं देंगे।
गहना समझ गयी और घर से निकल कर नौकरी की जगह फ़ोन कर दिया कि कुछ इमरजेंसी है इसलिए नहीं आ पाएगी। और अपने लिए एक कमरा तलाशने निकल पड़ी नोएडा जैसी जगह में शाम तक घर तो नहीं मिला कहीं अकेली औरत को। पर हॉस्टल मिल गया। शाम को गयी और सारा सामान उठाकर ले आयी। हॉस्टल में नौकरी करने वाली स्त्रियां विशेषकर रहती थी वहां। गहना ने वकील को अपना केस बताया। काफी सारे लोगों के लिए तो यह मामला ही अजीब था। इसलिए केस लिया ही नहीं। फिर कोई एनजीओ के थ्रू एक वकील मिल गयी दुर्गा। दुर्गा के केस लेने के बाद गहना आश्वस्त हो गयी। अब क्या, सिर्फ आश्वस्त होने से काम नहीं बनने वाला था। वैसे भी गहना ने अपनी सारी बातें दुर्गा को बतायीं और यह भी बताया कि मैरिज से पहले इस बाबत दोनों में कॉन्ट्रेक्ट हुआ था। दुर्गा ने देखा कि कॉन्ट्रेक्ट में यह बात साफ-साफ लिखी गयी थी कि गहना को शादी के बाद घर वालों द्वारा भी जबरदस्ती नहीं कि जा सकती। अगर ऐसा हुआ तो उसकी जिम्मेदारी समीर लेगा। समीर ने न जिम्मेदारी ली और न कुछ। सीधे बात से ही मुकर गया। अब दुर्गा ने समीर को कोर्ट का नोटिस दिया। समीर ने सपने में भी नही सोचा था कि गहना उसे कोर्ट में खींचेगी। फिर क्या? समीर को भी कोर्ट का सामना करना पड़ा। उसकी तरफ से उसने एक वकील कर लिया था। यह एक अनोखा और अजीब-सा केस कोर्ट में पेश हुआ। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जज ने पूछा- लेकिन हर्ज क्या है आपको मां बनने में?

मुझे हर्ज है इसलिए तो हम बात कर रहे हैं न? समीर के वकील ने गहना से कहा, देखिए मैडम, मामला कोर्ट में टिक नहीं पायेगा इसलिए कह रहे हैं। गहना- 'तो न टिके मेरी बला से।' नहीं मतलब आपके साइड से कोई केस बन भी गया है तो वह टिकेगा नहीं कोर्ट में। देखते हैं।
मतलब, आप अपने साथ-साथ अपने पति की भी ऐसी-तैसी करवाओगी? मेरा मतलब मैडम केस वापस ले लो, फिर बाद में मत कहना कि मैंने आपको बताया नहीं।

कोर्ट ने एक वकील देकर मामले में काउंसलिंग करने की कोशिश भी की। पर गहना अपनी बात पर कायम रही। वैसे ही कोर्ट में भी कायम रही, विरोधी पक्ष के वकील ने उसके चरित्र तक को उछाला। भारतीय संस्कृति का हवाला भी दिया। पर गहना टस से मस न हुई। न गहना की वकील ही। क्योंकि उनके पास ठोस पेपर्स थे, समीर के दस्तख्त के साथ। आखिर फैसला गहना के पक्ष में हुआ। समीर को कहा गया कि आप अपनी पत्नी को इस तरह से जबरदस्ती अब नहीं कर सकते। जबकि शादी के वक्त ही उसने आपसे कॉन्ट्रेक्ट लिखवाया था। आपने खुशी-खुशी उस पर दस्तखत भी किए हैं। अब किसी के कहने पर या परिवार के कहने पर भी आप उसे बदलवा नहीं सकते। तब तक कि जिसने आपके साथ कॉन्ट्रेक्ट किया है वह खुद कहे कि मुझे कॉन्ट्रेक्ट में बदलाव करना है मैं मां बनना चाहती हूं। समीर और गहना कोर्ट के फैसले के बाद साथ-साथ चल रहे थे कॉरिडोर में। समीर ने गहना को रोका, कहा कि सॉरी मुझसे ही भूल हुई है, मैं अपनी बातों पर कायम नहीं रह पाया। पर अब मैं इस रिलेशनशिप को कंटीन्यू नहीं करना चाहूंगा। तभी गहना ने कहा ठीक है मुझे भी नहीं करना है इस बेईमान रिश्ते को कंटीन्यू। ये पेपर्स हैं, मुझे तुमसे डिवोर्स चाहिए।

समीर के वकील ने पेपर्स देखे, उसमें गहना ने कोई मांग नहीं की थी सिवाय डिवोर्स के। समीर को उसने आंखों के इशारे से कहा कि साइन कर दो और समीर ने साइन कर दिए। गहना कॉरिडोर के अपोजिट साइड निकल गयी और जीत का आनंद उसके चेहरे पर था। उन हज़ारों उठने वाली उंगलियों को नजरअंदाज कर वह बड़ी बेतकल्लुफी से चल रही थी, अपनी जिंदगी की तरफ, जिसमें वह एक विजेता थी।

कविता

डॉ.कमलेश मलिक

संकल्प

जो जैसी भाषा में समझे उसे वैसे ही समझाना होगा
प्रेम-शांति संदेश छोड़ अब रण का बिगुल बजाना होगा

किसी हिमांशी की आंखों से सिंधु जल अब नहीं बहेगा
किसी आरती के सर से अब पिता का साया नहीं उठेगा
यह संकल्प लिए अर्जुन को अब तो शस्त्र उठाना होगा

ऊरी अटैक या पुलवामा दुश्मन ने मुंह की खाई है
कितने सैनिक हमने खोये यह भी कड़वी सच्चाई है
सर से पानी उतर गया अब उनको सबक सिखाना होगा

पहलगाम का सीना छलनी माथे की बिंदिया का क्रंदन
बिलख-बिलख कर कहता है अब राखी के धागों का बंधन

दुश्मन केवल दुश्मन ही है रिश्ता यही निभाना होगा
जो जैसी भाषा में समझे उसे वैसे ही समझाना होगा।

कविता

क्षमा उर्मिला

अकेले ही ढले हैं

जहां सारा हैं अपना हम यही माने चले हैं
परख कर दुख ही तो होगा अनाड़ी ही भले हैं

झुलसने का ना हम को डर लगे खेल अब तो
तपन को बाहों में लेकर अंधेरों में जले हैं

हज़ारों रातें गहरी चाँद तक तक के ही काटी
उसे मामा ही समझे हम अंधेरे यूं टले हैं

बना कर धर्मों की केंची सियासत पंख काटे
उड़ानें भरते पंछी बस शिकारी को खले हैं

यही होता है सदियों से सुबह के सूरजों का
उगे ओजस्वी किरनों में अकेले ही ढले हैं

निगल जाती है सौ जानें लहर तोड़े किनारे
हुआ ये तब किनारे जब समन्दर को छले हैं।

मुक्तक

कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

याद तो दिल खुदा को करता है,
अक्स तेरा ही क्यों उभरता है?
बेखुदी हद से जब गुजरती है,
आदमी इस तरह भी मरता है।
**
आप से प्यार हो गया कैसे ?
यह चमत्कार हो गया कैसे ?
प्यार को मैं गुनाह कहता था,
मैं गुनहगार हो गया कैसे ?
**
जीवन के संघर्षों ने जब भी ललकारा है।
कागज़-क़लम ने मुझको दिया सहारा है।
बड़े-बड़े तूफानों से मैं घिरा रहा अक्सर,
इसी नाव ने मुझे हमेशा पार उतारा है।

कविता

दिनेश दिनकर

मेरी आखिरी सांस

तेरे बिन ये सन्नाटा सुन,
मैं तनहाईयों से घिर गई
जब सुनी तेरी आवाज़
तो तुझे खोने की अफवाह पिघल गई
हर रोज सपने में तुझे देखती थी
तुझे चूमती थी तुझे पुकारती थी
इक आखिरी ख्वाहिश बची है सीने में
गर भर लूं तुझे बाहों में,
तो इस जहां से छुमंतर हो सकूं
बोलो थामोगे मेरा हाथ
जब तक बची है मेरी आखिरी सांस।

कविता

राज ख्यालिया

वक़्त की कमी है, मगर मिलन की चाहत है बाकी,
दिल में अभी तेरे नाम की लगन है बाकी।

राहों में रुकावट हैं, फासले भी कायम है
फिर भी न जाने क्यों एक आस है बाकी

चाहा तुझे लम्हों में बाँध लूँ साँसों की डोर से,
पर ज़िंदगी में अब भी कुछ उलझनें है बाकी।

हर मोड़ पर देखा तुझे यादों की सूरत में,
फिर भी न जाने क्यों है आँखों नमी है बाकी...

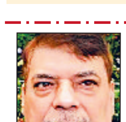

कविता

राकेश कुमार सपड़ा

कलमा

थे वो सैलानी भ्रमण पे
काश्मीर के चमन में
झेलम ढल सब निहार ली
पहलगाम की फिर राह ली
छूट ना जाए कोई झील या झरना
क्या मालूम था
छद्म वेश में
आ जाएगा पूछने कोई
क्या आता है पढ़ना कलमा ?

बैसरन वादियाँ
महक रही थी जहाँ
बेशुमार खुशियाँ
इन्सानियत वहाँ शर्मसार हुई
गोली दिल के पार हुई
खून से घाटी लाल हुई
मासूम जिंदगियां
दहशत की शिकार हुई।

पूछ कर नाम शिकार जो बनाते हैं
छुपे नहीं है जो ये आतंक मचाते है
बहा के खून बेकसूर निहत्थो का
मानवता को कलंकित कर जाते हैं।

आंखे हमारी सबकी भले ही नम है
अपनों को खोने का भी गम है
होंसला नहीं हुआ फिर भी कम है
मिटाने का आतंक जड़ से लिया प्रण है
देखा ही कहाँ तुमने अभी हमारा दम है।

कविता

अंजु कपूर गांधी

बेरोज़गार हूं मैं

हां बेरोज़गार हूं मैं।
था सुमन ठोकरों से ,
बन चुका खार हूं मैं।
जिससे है की पढ़ाई
हुई खत्म वो कमाई
खटता है बाप अब तक
खाली बेकार हूं मैं।
मां मांगती दुआएं
अल सुबहा जब भी जागे
हर दर पे टेके माथा
बांधे मन्नतों के धागे
टूटे नित उम्मीद उसकी
देखूं, लाचार हूं मैं।
खाना परोसा जाता
नहीं बैठ खा मैं पाता
करती सवाल आंखें
रहता दरकिनार हूं मैं ।
थामे डिग्रियों की फाइल
थके पांव रुह है घायल
लगता है लिए घूमता
गर्द और गुबार हूं मैं
ज्वालामुखी धधकता
आक्रोश का है भीतर
कब फूट पड़े लावा
जलता अंगार हूँ मैं।
बेरोज़गार हूँ......

महिला साहित्यकार, कवियत्री एवं लेखिका मीना चौधरी का इस आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को लेकर कहना है कि आज साहित्य अत्यंत रोचक, बहुआयामी और चुनौतीपूर्ण है। तकनीकी प्रगति, सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने अभिव्यक्ति के नए रास्ते खोले हैं, जिससे साहित्य अब सिर्फ पुस्तकों तक सीमित नहीं रहा। ब्लॉग, ई-बुक्स, पॉडकास्ट और यूट्यूब जैसे डिजिटल माध्यमों ने नए लेखकों को मंच दिया है।

साक्षात्कार | **ओ.पी पाल**

समाज के हित में हिंदी साहित्य को जीवंत रखना जरूरी : मीना चौधरी

साहित्य संवर्धन में जुटे साहित्यकार अलग-अलग विधाओं में समाज को नई दिशा देने के मकसद से सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर अपनी लेखनी चलाते आ रहे हैं। ऐसे ही लेखकों में महिला साहित्यकार मीना चौधरी भी एक कवि के रूप में अपने रचना संसार को आगे बढ़ा रही हैं। साहित्य और सांस्कृतिक समृद्धि के लिए समर्पित लेखन के साथ वह कई साहित्यिक, सामाजिक, उद्यमी जैसी संस्थाओं के साथ जुड़ी हैं।

लेखिका मीना चौधरी ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें उनका मकसद गद्य और पद्य दोनों विधाओं में साहित्यिक व सांस्कृतिक मंचों पर सक्रिय रहकर हिंदी साहित्य को जीवंत और विकासशील बनाए रखना है, ताकि साहित्य और समाज में उनकी सार्थक भूमिका बनी रहे। मीना चौधरी का जन्म 28 मार्च 1971 को जमशेदपुर (झारखंड) में एक मैथिल ब्राह्मण परिवार में हुआ। उनके पिता जमशेदपुर स्थित टेल्को कंपनी में इंजीनियर थे और माता एक समर्पित गृहिणी रहीं। उनका बचपन जमशेदपुर में ही बीता। इन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा लिटिल फ्लावर स्कूल (कॉन्वेंट स्कूल) से हासिल की। उनके परिवार या घर में किसी प्रकार का साहित्यिक या सांस्कृतिक माहौल नहीं था। उन्होंने अपनी शिक्षा विज्ञान विषयों में की, लेकिन हिंदी भाषा के प्रति उनका एक विशेष लगाव रहा और इसी हिंदी प्रेम के चलते उनकी साहित्यिक रुचि विकसित हुई। स्कूल और कॉलेज के दिनों में कभी-कभार कुछ भावनात्मक लेखन करती थी और उसी दौरान आकाशवाणी से भी जुड़ने का अवसर मिला। हालांकि छात्र जीवन की व्यस्तता के कारण यह साहित्य की रुचि थोड़ा पीछे रही। गृहस्थी में आने के बाद से ही हरियाणा के गुरुग्राम में उद्यम, साहित्यिक एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय हो गई। साहित्यिक लगाव के कारण उन्होंने लेखन कार्य शुरू कर दिया। वे समाज के विभिन्न पहलुओं पर कविताएं और आलेख लिखती आ रही हैं। उन्होंने बीएससी की शिक्षा के दौरान अपनी पहली रचना लिखी, जो स्थानीय अखबारों में भी प्रकाशित हुई। इससे उनका लेखन के प्रति ऐसे में आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक था, जब उनकी रचना रेडियो पर भी प्रसारित हुई। उनका पहला हिन्दी कविता संग्रह 'रस स्राविता' प्रकाशित हुआ, जिसे भाषा सहोदरी हिन्दी के सहयोग से 2019 में प्रकाशित किया गया। जबकि उनका दूसरा काव्य संग्रह 'पैबंद पर सितारे' शीर्षक से पुस्तक के रूप में 2021 में पाठकों के सामने आया। जबकि तीसरा काव्य संग्रह शीघ्र ही प्रकाशित होगा। बकौल मीना चौधरी, वह हिंदी और अंग्रेज़ी भाषा के अलावा मैथिली में भी लेखन करती आ रही हैं। उन्होंने 'भाषा सहोदरी हिंदी' सहित कई संस्थाओं के साथ मिलकर हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए कार्य किया है, जिसके लिए उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली और उन्होंने मॉरीशस, दुबई और सिंगापुर जैसे देशों में हिंदी को मंच को साझा किया। उनका कहना है कि उनके साहित्य क्षेत्र के सफर में उनके पति, बेटियों और दामाद समेत परिजनों का निरंतर सहयोग और प्रोत्साहन मिला है, जो उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है। साहित्य क्षेत्र के अलावा वे सामाजिक सेवा में भी सक्रीय हैं और स्वच्छता जागरण समिति जैसी संस्थाओं से जुड़ी हैं। वहीं वे कई साहित्यिक संस्थाओं से जुड़ी होने के साथ भाषा सहोदरी की मुख्य संयोजिका हैं और आगमन की राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला काव्य मंच, गुरुग्राम की महासचिव भी रही हैं। वे खुद के संस्थान इंडसोल एंटरप्राइजेज की अध्यक्ष भी हैं यानी इंडसोल एंटरप्राइजेज में स्व-नियोजित, उद्यमशीलता की दुनिया में अपनी व्यावसायिक विशेषज्ञता उनके पास है।

एक साहित्यकार के रूप में वह राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन दुबई और मॉरीशस में मुख्य प्रबंधक रही हैं एवं भाषा सहोदरी पत्रिका की सम्पादक भी हैं। उनका कहना है कि युवाओं को साहित्य पढ़ने के लिए प्रेरित करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि साहित्य न केवल भाषा और अभिव्यक्ति को समृद्ध करने के साथ सोचने, समझने और महसूस करने की क्षमता भी बढ़ाता है। ऐसी प्रेरणा युवाओं को अपनी संस्कृति, समाज और मानवीय मूल्यों से जोड़ने में सहायक होगी।

प्रकाशित पुस्तकें

लेखिका एवं कवि मीना चौधरी की प्रकाशित पुस्तकों में रस स्राविता, पैबंद पर सितारे और मेरी स्वरचित काव्य संग्रह प्रमुख रूप से शामिल हैं। उनके हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में साँझा संकलन एवं पत्र-पत्रिकाओं में कविताएं, लघुकथा और लेख भी प्रकाशित हुए हैं। इसके अलावा वे गद्य और पद दोनों साहित्यिक विधाओं में आलेख और रचनाएं लिखती आ रही हैं। वह हिंदी और अंग्रेजी भाषा के अलावा मैथिली में भी लेखन करती आ रही हैं।

मीना चौधरी

पुरस्कार व सम्मान

मीना चौधरी को साहित्यिक क्षेत्र में योगदान के लिए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचो से अनेक सम्मान मिल चुके हैं। इनमें विश्व हिंदी सम्मान दुबई, 'सहोदरी रत्न' मॉरिशस, 'शब्द मनीषी सम्मान', विविधता में एकता राष्ट्रीय सम्मान, आगमन तेजस्विनी अवार्ड, रंग राची सम्मान, स्वर लहरी सम्मान, प्रेरणा पीढ़ी पुरस्कार, भाषा सहोदरी सम्मान प्रमुख रुप से शामिल रहे। उन्हें अनेक साहित्यिक मंचों से भी विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : मीना चौधरी
जन्मतिथि : 28 मार्च 1971
जन्म स्थान : जमशेदपुर (झारखंड)
शिक्षा : बीएससी, एमबीए
संप्रति : लेखिका, कवि, संपादक, उद्यमी और सामाजिक कार्यकर्ता (गुरुग्राम क्षेत्र)

'हेल्लो ज़िंदगी' में हैं शिक्षा और समाज के सरोकार

पुस्तक : हेल्लो ज़िंदगी
लेखक : विनय मोहन खारवन
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : समदर्शी प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा | **अरुण कुमार कैहरबा**

सेवानिवृत प्राध्यापक व इस पुस्तक के लेखक विनय मोहन खारवन की प्रतिभा निरंतर समाचार-पत्रों व पत्रिकाओं में चमकती रही है। उनके लघुकथा संग्रह 'हैल्लो ज़िंदगी' शीर्षक ही स्पष्ट करता है कि लेखक अपनी रचनाओं में ज़िंदगी के साथ सीधा संवाद कर रहा है।

अपने समृद्ध अनुभवों और समझ के आधार पर जीवन के विविधि पहलुओं, घटनाओं और संबंधों को अपनी लघुकथाओं के जरिये परख रहा है। लेखक रोजमर्रा के जीवन की छोटी से छोटी घटना को लेता है और सीधे-सरल शब्दों में कथा कहते हुए मर्म की बात कह जाता है। लघुकथाएं विसंगतियों व विडंबनाओं की तरफ संकेत भी करती हैं और प्रहार भी करती हैं। लेखक का मत है कि 'रिटायरमेंट जिंदगी को हैलो कहने का समय होता है।' लेखक का संबंध शिक्षा से रहा है। यही कारण है कि समीक्ष्य संग्रह में उनके शैक्षिक सरोकार अनेक लघुकथाओं में दिखाई देते हैं।

'शोषण' व 'आज का एकलव्य' लघुकथाएं इसी विषय पर केंद्रित हैं। 'आज का एकलव्य' लघुकथा में तीस साल से निजी स्कूल में पढ़ा रहे अध्यापक की दयनीय दशा को दिखाया गया है। 'पैसा और पढ़ाई' में पढ़ाई के प्रति अमीर लोगों का दृष्टिकोण उजागर होता है, जिसमें वे पढ़ाई से ज्यादा पैसे को तरजीह देते हैं। संग्रह में सरकारी स्कूलों का चित्रण भी है। 'ज़मीर' लघुकथा में बीस लाख रुपये के अनुदान पर प्रिंसिपल अपने जमीर को दरकिनार करके मन की इच्छाओं को तरजीह देता है। 'प्रैक्टिकल' में कॉलेज के अध्यापक की प्रैक्टिकल परीक्षाओं में लालच की प्रवृत्ति उजागर होती है। 'नकल' लघुकथा में बोर्ड परीक्षाओं के दौरान सुपरवाइजर द्वारा नकल का धंधा करने और उड़नदस्ते के एक सदस्य द्वारा इसकी उपेक्षा करते हुए सुपरवाइजर के साथ दोस्ती निभाने की अपराधपूर्ण स्थिति को दर्शाया गया है। 'सिलसिला' में ऊपर से नीचे तक चलने वाले धमकी व डर के सिलसिले के बाद बिना किसी सार्थक उद्देश्य से बजट खर्च करने के लिए होने वाले सेमिनारों की कड़वी सच्चाई सतह रूप में उजागर कर दी गई है। शिक्षा कैसे अंकों की होड़ में तब्दील हो गई है, इसे 'ज़िंदगी के नंबर' और 'खुशी का प्रतिशत' में दिखाया गया है। लेकिन 'ज़िंदगी के नंबर' में परीक्षा के अंकों को देखने का सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की सीख दी गई है। संग्रह की अनेक लघुकथाएं हृदय स्पर्शी हैं और सवाल खड़े करती हैं। पहले संग्रह के लिए लेखक को हार्दिक बधाई।

खबर संक्षेप

युवा चरित्र निर्माण शिविर का आयोजित

नांगल चौधरी। सरस्वती पब्लिक स्कूल भोजावास में युवा चरित्र निर्माण शिविर का आयोजन प्राचार्य राजेश कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें संस्था के चेयरमैन व सीनियर भाजपा नेता दयाराम यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्र सुरक्षा में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। साथ ही शिक्षक स्टॉफ को युवाओं में नैतिकता भावना का समावेश करने का संदेश दिया। भारतीय संस्कृति में राष्ट्र सुरक्षा सर्वोपरी होती है। इसलिए युवाओं में संस्कृति का समावेश करके राष्ट्रीय सुरक्षा और एकता को मजबूत करने की जिम्मेवारी शिक्षण संस्थानों की है। सैनिकों को बार्डर पर दुश्मनों के आक्रमण से निपटने की जिम्मेवारी है। सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत पाकिस्तान में घुसकर आतंकी ठिकानों को धराशई किया है। उन्होंने स्कूल में पीटीएम का शुभारंभ किया।

एसडी विद्यालय ककराला में पीटीएम आयोजित

कनीना। एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला में रविवार को अध्यापक अभिभावक बैठक व मदर्स डे का आयोजन किया गया। इस समारोह में 1032 अभिभावकों ने हिस्सा लिया। जिन्होंने विद्यार्थियों के प्रति अपनी जिम्मेदारी व अध्यापक अभिभावक बैठक के महत्व को समझने का परिचय दिया। मदर्स डे समारोह में विद्यार्थियों ने मदर्स को लेकर सुंदर गीत प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने मातृशक्ति का स्वागत तिलक लगाकर किया। माताओं ने भी भाषण, नृत्य, गायन, खेल गतिविधियों में हिस्सा लिया। प्राथमिक शिक्षा विभाग की कोऑर्डिनेटर स्नेहा यादव व प्रियंका यादव ने पाठ्यक्रम व परीक्षा परिणाम के बारे में जानकारी दी। चेयरमैन जगदेव यादव ने बताया कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को लेकर खेल व अन्य गतिविधियों के माध्यम से पढ़ाई करवाई जाती है। विद्यालय प्रबंधन ने पीटीएम से बच्चों की अध्ययन संबंधी समस्याओं के समाधान, शैक्षिक उपलब्धियों के बारे में अभिभावकों से विमर्श किया।

मुख्यातिथि पूर्व शिक्षामंत्री प्रो रामबिलास शर्मा ने सभा को किया संबोधित

भगवान परशुराम को याद कर, लिया उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प

पिछले पखवाड़ेभर से देशभर में परशुराम जयंती मनाई गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

गौड़ ब्राह्मण सभा कनीना की ओर से रविवार को भगवान परशुराम जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस समारोह के मुख्यातिथि प्रदेश के पूर्व शिक्षामंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा थे, जबकि अध्यक्षता मंहत लक्ष्मणगिरी गोशाला बूचावास के मंहत विट्ठलगिरी ने की। मुख्यातिथि का सभा के प्रधान डॉ. रविंद्र कौशिक व अन्य पदाधिकारियों ने फूलमाला व पगड़ी पहनाकर स्वागत किया।

इस अवसर पर मुख्यातिथि प्रो. रामबिलास शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम ने समाज में व्याप्त अपराध व अपराधियों का विनाश किया था। हमें उनके आदर्शों पर चलकर सामाजिक बुराइयों पर अंकुश लगाना है। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु के छठें अवतार भगवान परशुराम ने अपने समय में धर्म की रक्षा करते हुए अपराधियों तथा दुराचारियों पर विजय प्राप्त की थी। देखा जाए तो बैशाख मास शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाया जाता है, लेकिन पिछले पखवाड़ेभर से देशभर में भगवान परशुराम जयंती मनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि परशुराम ने कठौर तप कर भगवान शिव को प्रसन्न किया था। वे शस्त्र विद्या में निपुण थे। भगवान परशुराम ने हमेशा जन कल्याण के हित में धर्म व शास्त्र संवत कार्य किया। प्रो. रामबिलास शर्मा ने कनीना में गौड़ सभा भवन के लिए 51 हजार रुपये प्रदान किए। वहीं प्रदेश के खेल मंत्री गौरव गोतम की ओर से पांच लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा की गई। अश्वनी शर्मा ने एक लाख सहित अन्य विप्रजनों की ओर से भी राशि प्रदान करने की घोषणा की गई।

समारोह में गौड़ सभा नारनौल के अध्यक्ष एडवोकेट राकेश मेहता, महेंद्रगढ़ से वैद्य दिनेश शर्मा के अलावा इंद्रलाल शर्मा, मास्टर कंवर सैन वशिष्ठ, सुरेश कुमार वशिष्ठ, बुद्धिप्रकाश शर्मा, नवीन कुमार, मोहित शर्मा, मुकेश शर्मा, मनोज शर्मा, हेमंत शर्मा, प्रेम कुमार, दीपक शर्मा, राधेश्याम शर्मा आदि मौजूद थे।

कनीना। भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर आयोजित सभा को संबोधित करते मुख्यातिथि पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा। फोटो : हरिभूमि

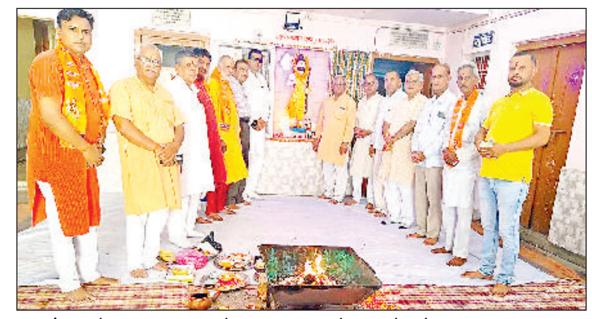
नारनौल। गौड़ ब्राह्मण सभा में हवन यज्ञ करते सभा के लोग। फोटो : हरिभूमि

देश की एकता व संप्रभुता की रक्षा के लिए हवन

नारनौल। देश की एकता, अखंडता व संप्रभुता की रक्षा तथा अखंड भारत की कामना के साथ भारतीय सेवा के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की कामना करते हुए रविवार को गौड़ ब्राह्मण सभा जिसमें समाज के सभी लोगों ने भाग लिया। हवन करवाने वाले आचार्य क्रांति निर्मल देवकी नंदन, सुरेंद्र पंडित, दलजीत शास्त्री थे। इस अवसर पर सभा प्रधान राकेश मेहता वरिष्ठ अधिवक्ता ने बताया कि आज का दिन भगवान नरसिंह चतुर्दशी का दिन है, इस दिन भगवान नरसिंह ने असुर दैत्य हिरण कश्यप का वध करने के लिए वह भगवान प्रहलाद की रक्षा के लिए अवतार लिया था। इसी प्रकार भारतीय सेवा के असुर प्रवृत्ति वाले पाकिस्तान का नाश करने के लिए व देश की रक्षा के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेवा का शौर्य व पराक्रम पूरे विश्व में आदित्य है, हम भारतीय सेवा के प्रत्येक जवान अधिकारी व तीनों सेनाओं के प्रमुखों को बधाई देते हैं, उनका अभिनंदन करते हैं। जिनके कारण देश सुरक्षित हाथों में है। इस प्रकार पहलगाम में निर्दोष नागरिकों की हत्या हुई उनकी आत्मा की शांति के लिए व भारतीय सेना के ऑपरेशन में वीरगति को प्राप्त होने वाले सभी शहीदों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मान रखा गया। इस अवसर पर सभा के सचिव कृष्ण ठेकेदार ने धन्यवाद किया। कार्यक्रम में कृष्ण कुमार अधिवक्ता, धर्मपाल, दयाकिशन, संजय कौशिक, मामचंद शर्मा, विजय कुमार गोस्वामी, अमित पांडे, भागीरथ शर्मा, डॉ. तीर्थ कुमार, सतीश कुमार आदि विप्र समाज के लोग मौजूद रहे।

नारनौल। श्रमिकों को अल्पाहार वितरित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

पिता की पुण्यतिथि पर 300 श्रमिकों को कराया अल्पाहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

श्री गौड़ ब्राह्मण सभा कार्यकारिणी सदस्य व सुप्रसिद्ध पर्यावरणविद केके शर्मा एडवोकेट ने रविवार को अपने स्वर्गीय पिता गंगाराम शर्मा की पुण्य स्मृति में भाविप के तत्वावधान में श्री परशुराम चौक पर लगभग 300 श्रमिकों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की। शाखा सचिव मुकेश जैन व प्रकल्प संयोजक डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि शर्मा परिवार की ओर से परिषद के महत्त्वपूर्ण प्रकल्प आनंद रसोई के अंतर्गत उपस्थित श्रमिकों के लिए भोजन व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शाखा अध्यक्ष कवीन्द्र सचदेवा, जिला समन्वयक डॉ. राजकुमार यादव, पूर्व जिला समन्वयक डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज, कोषाध्यक्ष नवीन गुप्ता, पूर्व बाल कल्याण अधिकारी विपिन शर्मा, सेवा प्रमुख पवन यादव की सहभागिता रही।

यह रहे मौजूद

मौके पर राजकुमार यादव ने कहा कि परिषद के कार्य सामाजिक सद्भावना व सेवा के अनुपम उदहारण होते हैं। शाखा अध्यक्ष कवीन्द्र सचदेवा ने कहा कि आनंद रसोई सेवा का सर्वोत्तम प्रकल्प है, जो सुख और दुःख दोनों क्षणों में आत्मबल का कारक बनता है। प्रकल्प संयोजक डॉ संजय शर्मा ने कहा कि पुण्यतिथि को पुण्य रूप में मनाकर आनंद रसोई के माध्यम से सार्थकता का सन्देश दे सकते हैं। कार्यक्रम आयोजक केके शर्मा एडवोकेट, डॉ. पुष्पलता शर्मा ने कहा कि भोजन खिलाना बहुत पुण्यदायी माना जाता है। सदस्य सुभाष कश्यप व देवेन्द्र वर्मा ने कहा कि भारत विकास परिषद अन्नदान की श्रेष्ठ परम्परा को निभाता आ रहा है। नितेश भारद्वाज अधिवक्ता व पवन यादव ने बताया कि अपने पूर्वजों की स्मृति में भोजन कराना हमारे शास्त्रों के अनुसार बहुत पुन्य का कार्य है। इस मौके पर एडवोकेट नितेश भारद्वाज, सचिव मुकेश जैन, नवीन गुप्ता, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष भीमसेन शर्मा, दिनेश शर्मा प्राचार्य, नरोत्तम सोनी, सुभाष सिंगला, महिला संयोजिका लक्ष्मी सचदेवा, पवन अरोड़ा, सरोज कश्यप, प्रदीप यादव, संजय गर्ग, पवन यादव, सुभाष कश्यप, देवेन्द्र वर्मा मौजूद थे।

नृसिंह भगवान मंदिर में लगा भंडारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली क्षेत्र के गांव बिहाली में स्थापित नृसिंह भगवान मंदिर परिसर में विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया, जिसमें गांव के अलावा दूर दराज के श्रृद्धालुओं ने भगवान के मंदिर में मत्था टेक मन्नतें मांगी तथा प्रसाद ग्रहण किया। रात के समय हरियाणवी कलाकार बलराम बैंसला ने नृसिंह भगवान की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदू धर्म में नृसिंह भगवान का बहुत बड़ा महत्व है। वह भगवान विष्णु के अवतार के रूप में जाने जाते हैं, जिन्होंने भक्त प्रहलाद की रक्षा की और अधर्मी हिरण्यकश्यप को मारा। उन्होंने अपने मुखारविंद से कहा कि नृसिंह भगवान की शक्ति और साहस की कहानी हिंदू धर्म में बहुत प्रसिद्ध है। उन्होंने अपने भक्त प्रहलाद की रक्षा के लिए हिरण्यकश्यप को मारा, जो एक शक्तिशाली राक्षस राजा था। उनकी भक्ति का महत्व नृसिंह भगवान की कहानी के महत्व को दर्शाती है। प्रहलाद की भक्ति और भगवान विष्णु के प्रति उनकी निष्ठा ने उन्हें भगवान की कृपा का पात्र बनाया। उन्होंने कहा कि नृसिंह भगवान की कहानी अधर्म के नाश के महत्व को भी दर्शाती है। हिरण्यकश्यप का वध करके, भगवान नृसिंह ने अधर्म और अन्याय को समाप्त किया और धर्म की पुनर्स्थापना की। नृसिंह भगवान की पूजा हिंदू धर्म में बहुत महत्वपूर्ण है। उनकी पूजा करने से भक्तों को शक्ति, साहस और सुरक्षा की प्राप्ति होती है। नृसिंह भगवान की पूजा विशेष रूप से नृसिंह जयंती के दिन की जाती है, जो वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाई जाती है। इस अवसर पर सीताराम सरपंच, लीलाराम, कैप्टन सुमेर सिंह, पप्पू यादव, राम अवतार पुरुषार्थी, बिक्रम सिंह, सुबेसिंह, लालचंद, दलीप सिंह व सत्यवीर सिंह आदि सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नेकी दीवार नीडी हेल्प ग्रुप ने किया कन्या की शादी में सहयोग

- कन्यादान से बड़ा कोई दान नहीं होता : मनीष गोगिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर की अग्रणी संस्था नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप ने एक गांव की बिटियां का कन्यादान किया। इस जरूरतमंद परिवार की जानकारी संस्था के साथी भाई सतीश फौजी ने दी। उन्होंने बताया कि लड़की के पिता गांव गांव में साइकिल पर जाकर आइसक्रीम बेचते है। इस परिवार में पिता के अलावा कमाने वाला और कोई नहीं है। परिवार की माली हालत है। जिस पर इसका संस्था ने विचार विमर्श करके सहयोग करने का निर्णय लिया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रमुख समजसेवी भारत भूषण वालिया रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूजा, निखिल जैन, राकेश यादव सेकवाल ने की। कार्यक्रम संयोजक मनीष गोगिया, मनीष गर्ग, संदीप जैन थे। अतिथियों ने बताया कि आज के युग में अपने लिए समय निकालना बड़ा मुश्किल काम है, संस्था की आर से सभी साथी गण ऐसे नेक कार्य को अंजाम दे रहे है, यह बहुत बड़ी बात है। इसके लिए सभी साथी बधाई के पात्र है। गोयल ने बताया कि पिछले कई सालों से संस्था के संस्थापक मनीष गोगिया के सानिध्य में कन्यादान की मुहिम को सुचारू रूप से चलाया जा रहा है। मनीष गोगिया में बताया कि कन्यादान से बड़ा कोई दान नहीं होता है। इस अवसर पर संस्था ने अपना फर्ज निभाते हुए कन्यादान में 51 बर्तन का सेट, लहंगा चुनरी, सूट साड़ियां, अटैची, प्रेस, कुकर, सीनरी, हॉट केस, बॉटल, थर्मस, पंखा, डबल बेड शीट, पर्स, कप सेट, पैंट शर्ट, फैंसी स्लीपर, ट्रे सेट, वाटर कैम्पर, दीवार घड़ी, मिक्सी व 501 रुपये का सहयोग किया। इस मौके पर पूजा, निखिल जैन, संदीप जैन, मनीष गोगिया, मनीष गर्ग, डॉ. प्रदीप कुमार, प्रवेश जांगिड़, अनिल शर्मा, सुनील शर्मा, पूजा जैन, कुणाल शुक्ला, दुलीचंद शर्मा, जयप्रकाश गोयल, सुनील गोयल, राकेश यादव, विजय, प्रदीप कुमार, सतीश फौजी आदि मौजूद थे।

नारनौल। शादी में दिए जाने वाने सामान के साथ ग्रुप सदस्य। फोटो : हरिभूमि

सहायक आचार्य की गाड़ी से सोने के झुमके चोरी, तीन माह बाद केस दर्ज

- पीड़ित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कार्यरत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव जाट पाली स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कार्यरत एक सहायक आचार्य की गाड़ी में रखे झुमके चोरी हो गए। एक महिला सफाई कर्मचारी पर उसने चोरी का शक जताते हुए पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने करीब तीन महीने बाद चोरी का केस दर्ज किया है।

पुलिस को दी शिकायत में रेवाड़ी जिला के गांव गंगायचा अहीर निवासी अर्चना यादव ने बताया कि वह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट पाली में सहायक आचार्य के पद पर कार्यरत है। 11 फरवरी को वह यूनिवर्सिटी में अपनी गाड़ी लेकर आई थी। उसने अपने कानों के झुमके अपनी गाड़ी में पर्स में रखे हुए थे। वह अपनी गाड़ी की चाबी ललित को देकर मैस कमेटी की मीटिंग के लिए वार्ड आफिस में चली गई थी।

ललित ने गाड़ी से सामान तो उतार लिया, लेकिन उससे गाड़ी लॉक नहीं हो पाई। इसलिए उसने आन ड्यूटी गार्ड को कार का ध्यान रखने के लिए कहा था। उसके बाद अर्चना मीटिंग के बाद डिपार्मेंट में चली गई थी। शाम को घर जाने के बाद उसने पर्स चेक किया तो सोने के झूमके नहीं मिले। उसके बाद जांच करते हुए हॉस्टल के सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए। तब सीसीटीवी कमरे में हॉस्टल की एक महिला सफाई कर्मचारी कैद हो गई। जब उससे पूछताछ और जांच की उस दौरान उसका व्यवहार संदेहपूर्ण नजर आया। उससे शक है कि सफाई कर्मचारियों ने ही चोरी की है। जिस दिन सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए तो उसी शाम सफाई कर्मचारी को मना करने पर भी वह लगातार तीन दिन की छुट्टी की। तीन दिन के बाद एक-दो दिन आने के उपरांत वह नौकरी छोड़कर चली गई थी। ऐसा संदेहपूर्ण व्यवहार ये दशार्ता है कि चोरी सफाईकर्मी ने ही की है। उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए और उसके झूमके बरामद करवाए जाए।

नारनौल। पौधा भेंट करती डा. कृष्णा आर्या। फोटो : हरिभूमि

जल व प्रकृति संरक्षण पर गोष्ठी आयोजित

नारनौल। लोकसंस्कृति संरक्षण प्रकोष्ठ अध्यक्ष व मिशन महेन्द्रगढ़ अपना जल अभियान सदस्य डॉ. कृष्णा आर्या के नेतृत्व में असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट एटॉर्नी भूपेंद्रा व मंजीत सिंह एडवोकेट पूर्व प्रधान बार एसोसिएशन के मांदी स्थित निवास पर जल एवं प्रकृति संरक्षण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवजात बच्चे को आशीर्वाद दिया गया। डॉ. कृष्णा आर्या ने लोगों को जल के महत्व, सदुपयोग व संरक्षण बारे विस्तार से बताया व छोटी छोटी जल तलैया बनाकर पानी को निरंतर धरातल में समाहित करने की बात कही।

उन्होंने बताया कि कुआं पूजन, जल पूजन, वृक्ष व प्रकृति पूजन हमारी लोकसंस्कृति का अहम हिस्सा रहे हैं और विशेष लोकपर्व व परंपराओं के परिप्रेक्ष्य में नहाण, जल पूजन, कलश पूजन, जलअर्घ्य, चाक पूजन, ग्यारस पूजन, कातक व बैशाख नहाण के साथ जन्म, विवाह जैसे विविध संस्कारों पर प्रकृति के पंच तत्वों के पूजन का विधान है। जिनके बिना कोई भी संस्कार व रीतिरिवाज संपन्न नहीं हो सकता। इस मौके मंजू यादव, उषा रानी, सुमित्रा यादव, परमानन्द दीवान, विकाश यादव एडवोकेट, पवन यादव एडवोकेट, पूनम, अनीता, नीलम, गीता, नेहा, अनु आदि मौजूद थे।

मोहल्ला देवस्थान से धूमधाम से प्रभातफेरी का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 121वीं प्रभात फेरी का शुभारंभ मोहल्ला देवस्थान से बड़ी धूमधाम से हुआ। भक्ति व ऊर्जा से परिपूर्ण इस आयोजन में नगरवासियों ने भारी संख्या में भाग लिया। प्रमुख यजमान नीरज अग्रवाल ने अपने परिवार सहित ठाकुर जी की आरती उतारी व उपस्थित श्रद्धालुओं को चंदन तिलक कर पुण्य लाभ बांटा। प्रभात फेरी में छोटे बच्चों, महिला पुरुष सभी ने तिरंगे झंडे व भारत माता के बैज के साथ ढोल नगाड़ों की थाप पर राधे राधे का उद्घोष करते हुए उत्साहपूर्वक भाग लिया। फेरी बड़का कुआं, जैन फिजियोथैरेपी सेंटर, चेतावाली कुई, संघीवाड़ा होते हुए देवस्थान पर परिक्रमा कर समाप्त हुई। इस आयोजन में नगर की गलियों ने मानो वृंदावन, मथुरा व बरसाना की कुंज गलियों का रूप ले लिया। हर दिशा में राधा नाम की गूंज व भक्ति में लीन लोगों का समर्पण देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था, जैसे स्वयं ठाकुर जी नगर में विराजमान हो। इस दौरान जगह जगह लोगों ने फूल बरसाकर, रंगोली व दीप जलाकर प्रभात फेरी का स्वागत किया। कार्यक्रम का समापन आरती व प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

नारनौल। प्रभात फेरी निकालते लोग।

अग्रवाल सभा में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का चौथा दिन

व्यक्ति जैसा कर्म करता है, वह वैसा ही फल भोगता है: बजरंग शास्त्री

- मनुष्य को जीवन में हमेशा भगवान के नाम का सुमिरन करना चाहिए

हरिभूमि न्यूज नारनौल

नई मंडी स्थित अग्रवाल सभा में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर रविवार को सर्वप्रथम आचार्य मनीष शास्त्री ने मुख्य यजमान हनुमान प्रसाद अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, विकास अग्रवाल व समस्त मंगल परिवार से विधिविधान से सभी देवताओं का पूजन करवाया। आचार्य बजरंग शास्त्री ने बताया कि भगवान नारायण की आज्ञा से ब्रह्मा जी ने सृष्टि का निर्माण आरम्भ किया और सर्वप्रथम दस प्रकार की सृष्टि का निर्माण किया। इसके उपरांत ब्रह्मा जी ने अपने शरीर से सृष्टि के पहले पुरुष मनु व स्त्री शतरूपा को महारानी को प्रकट किया।

इसके उपरांत आचार्य बजरंग शास्त्री ने बताया कि मनु महाराज के दूसरे पुत्र प्रियव्रत हुए और उन्हीं के आग्निध उनके वंश में नाभि व ऋषभदेव महाराज हुए, जो जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर माने जाते हैं। ऋषभदेव के पुत्र भरत महाराज हुए। आचार्य ने बताया कि बुरे संग में होने के बाद भी अजामिल जैसे डाकू भी भगवान के नाम का स्मरण करने और संतों की कृपा से परम पद को प्राप्त कर गया। आचार्य ने बताया कि मनुष्य को जीवन में हमेशा भगवान के नाम का सुमिरन करते रहना चाहिए, क्योंकि इस जीवन का पता नहीं कौन सा पल हमारे लिए आखिरी पल हो। उन्होंने 28 प्रकार के नरकों का वर्णन करते हुए बताया कि जो व्यक्ति जैसा कर्म करता है, वह वैसा ही फल भोगता है। आज का शुभ कर्म कल सद्भाग्य बनेगा और आज का बुरा कर्म ही कल दुर्भाग्य बनकर आएगा। आचार्य ने गज ग्राह की कथा का वर्णन करते हुए कहा कि हमें कभी भी रुपये, यौवन, सम्पति, शक्ति का अभिमान नही करना चाहिए।

आचार्य ने बताया कि जब जब संसार में धर्म की हानि होती और अधर्म को बढ़ावा मिलता है, तो भगवान अवतार लेकर के आते है। कंस का कल्याण करने व सभी भक्तों को सुख देने के लिए भगवान भाद्रपद कृष्ण पक्ष अष्टमी की रात्रि में वसुदेव देवकी के यहां पर कंस के कारागार में ही अवतार लेकर आए। कथा में वामन अवतार व कृष्ण जन्म की झांकी भी दिखाई गई। इस मौके पर हनुमान प्रसाद अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, विकास अग्रवाल, महावीर प्रसाद अग्रवाल, सुरेश चौधरी, पवन यादव, राजकुमार चौधरी, डॉ. दिनेश गर्ग, विजय जिंदल, विनोद चौधरी, नवीन गोयल, प्रहलाद राय सोनी, रामजीलाल मित्तल आदि मौजूद थे।

नारनौल। कथा सुनते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। ग्रामीणों से बातचीत करते विधायक कंवर सिंह यादव।

जल्दी ही पाइप लाइन के माध्यम से वन भूमि में छोड़ा जाएगा: विधायक

महेंद्रगढ़। विधायक कंवर सिंह यादव ने बसई गांव के जोहड़ में गंदे पानी की निकासी के लिए सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ दौरा किया। गांव के लोगों ने विधायक से जल्द से जल्द कराने की मांग रखी। जिससे गांव मे गंदे पानी से होनी वाली बीमारियों से बचाव हो सके। विधायक कंवर सिंह यादव ने आश्वस्त किया हैं कि जल्दी से जल्दी इस कार्य को पाइप लाइन के माध्यम से गांव के वन भूमि में छोड़ा जाएगा। जिससे ग्रामीणों को कोई परेशानी ना हो सके। विधायक ने कहा कि बीजेपी सरकार गांव लेवल पर हर कार्य को प्राथमिकता से करेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में मजबूती के साथ विकास कार्य कर रही है। नहरी पानी सहित अन्य बहुत से अभूतपूर्व विकास जल व्यवस्था में व्यापक सुधार जैसे अमूल्य उपहार के साथ ही क्षेत्र के विकास को एक नई दिशा देने का काम बीजेपी सरकार हरियाणा में कर रही है। इस अवसर पर सिंचाई विभाग एक्सईएन आशुतोष, नौरंग सिंह, सुनील मास्टर, भगत सरपंच, विक्की, इंद्रपाल देवनगर, मुकेश ठेकेदार आदि मौजूद रहे।

महंत संध्यानाथ की तपोस्थली पर बसे गांव मेघोत हाला में नहीं खौफ, श्मशान घाट में करते हैं भंडारा

तपोस्थली पर फसलों को ओलावृष्टि से नुकसान नहीं होने की बनी मान्यता

मंदिर की परिक्रमा करने पर शारीरिक व मानसिक बीमारियां दुरुस्त होने की धारणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। मेघोत हाला में निर्मित संध्यानाथ आश्रम।

महंत संध्यानाथ की तपोस्थली पर बसे गांव मेघोत हाला की पृष्ठभूमि धार्मिक परंपराओं से जुड़ी हुई है। यहां महंत के तपोबल से फसलों को ओलावृष्टि से नुकसान नहीं होने की मान्यता है, साथ ही मंदिर की परिक्रमा करने पर शारीरिक व मानसिक विकार भी उत्पन्न नहीं होते। श्मशान घाट पर स्थित मंदिर में लोग भंडारा व प्रतिभोज का कार्यक्रम संपन्न करते हैं।

आपको बता दें कि मेघोत हाला गांव को संवत 1432 में हालाराम ने बसाया था। एक ही परिवार से उत्पन्न गांव में करीब 700 परिवार व पांच हजार की आबादी है।

गांव का इतिहास प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा हुआ है, 1857 की लड़ाई में बड़ी संख्या में लोग राव तुलाराम की सेना में भर्ती हुए थे। नसीबपुर में जंग के दौरान गांव के कई लोगों के शहीद होने की चर्चाएं हैं। इसके बाद अंग्रेजों ने राव तुलाराम की सेना में शामिल हुए लोगों की धरपकड़ करने और जेल में डालने का अभियान चलाया था। अंग्रेजों के अत्याचार से सहमे हुए ग्रामीणों ने रेवाड़ी के पास तीन गांव बसाए थे, जो आज बास, बटोड़ी, फतेहपुरी व काकोड़िया गांव के नाम से जाने जाते हैं। इन चारों गांवों में केवल काकोड़िया गौत्र की आबादी है तथा राव तुलाराम की यादों को संजोए हुए हैं। वर्तमान में मेघोत हाला के ग्रामीणों की आजीविका खेतीबाड़ी पर निर्भर है, करीब 1180 एकड़ कृषि योग्य रकबा उपलब्ध है। भूजलस्रोत सूखने के कारण ग्रामीणों का कृषि व्यवसाय प्रभावित हुआ था, लेकिन अब नहरों में पर्याप्त पानी आने से खेतीबाड़ी की पैदावार में बढ़ोतरी होने लगी है।

ग्रामीणों को सुविधाओं की जरूरत

सरपंच के प्रतिनिधि ब्रिजेश कुमार ने बताया कि युवाओं का खेलों से विशेष लगाव है, लेकिन खेल प्रतिभा निखारने के लिए स्टेडियम व संसाधन उपलब्ध नहीं। बुजुर्गों को टहलने के लिए पार्क की डिमांड है, जोकि सरकार की ओर से बजट मुहैया कराने पर ही संभव हो पाएगा। उन्होंने बताया कि संध्यानाथ आश्रम से ग्रामीणों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है। इसके सौंदर्यीकरण करने की जरूरत है।

खुदाई करने पर मिले थे, प्राचीन सिक्के

रिटायर्ड प्रवक्ता वीर सिंह, महाराम यादव मास्टर, ओमप्रकाश ने बताया कि करीब 20 साल पहले बाबा संध्यानथ आश्रम के प्रांगण में वाटर डैम निर्माण के लिए जमीन की खुदाई हुई थी। उस दौरान कुछ प्राचीन सिक्के व चौड़ी ईंटें बरामद हुई थी। ईंटों की चौड़ाई सामान्य से करीब तीन गुणा ज्यादा थी। जिससे ग्रामीणों का अनुमान है कि यहां कंचनपुर नाम का प्राचीन नगर बसा हुआ था। पुरातत्व विभाग की गहन तलाशी पर प्राचीन संस्कृति के कई अवशेष मिल सकते हैं।

खबर संक्षेप

स्लम एरिया टैलेंट टीम ने बच्चों संग मनाया मातृ दिवस

नारनौल। आज समाज में छोटी छोटी बातों पर मां बहन की गालियां देना एक स्टेटस बन गया है, जो समाज में एक बुराई है, फिर भी छोटे छोटे बच्चे इस बुराई को अपनाते जा रहे है। यह बुराई बच्चे बड़ों व आसपास से सीखते है। इसी बुराई को मिटाने के लिए स्लम एरिया टैलेंट के बच्चों ने गली गली घूम कर मां बहन की गाली न देने का सन्देश दिया। बच्चों ने सामुदायिक केंद्र इंदिरा कॉलोनी से चलकर महता चौक तक सभी गलियों में जाकर बैनर व नारों से लोगों को जागरूक किया।

अटेली में शिक्षा सवामणि में पुस्तकें वितरित की

मंडी अटेली। अटेली के वार्ड नंबर नौ में राहुल कौशिक द्वारा शिक्षा सवामणि का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा छह से 12वीं तक विद्यार्थियों को प्रसाद स्वरूप पुस्तकें वितरित की गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि गगन शर्मा ने बताया कि शिक्षा की सवामणि विद्यार्थियों के कल्याण के लिए उल्लेखनीय कार्य है। शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को पुस्तकें वितरित करना एक सराहनीय कार्य है। इस मौके पर रीना, शिवानी, मुकेश कुमारी, रेखा, यश, कुशाल, तमन्ना आदि मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया।

गुरु गोरखनाथ के प्रकट दिवस पर कलश यात्रा आज

मंडी अटेली। सिहमा में शिव अवतारी गुरु गोरखनाथ का 12 मई को हवन और कलश यात्रा आयोजित की जाएगी। जानकारी देते हुए सत्यप्रकाश ने बताया कि सिहमा में शिव अवतारी गुरु गोरखनाथ की सुबह सात बजे हवन यज्ञ आयोजित किया जाएगा। उसके बाद सुबह नौ बजे कलश यात्रा आयोजित की जाएगी। इस कलश यात्रा में गांव की सैकड़ों महिलाएं शामिल होंगी।

अटेली में आज लगेगा रोजगार मेला

मंडी अटेली। अटेली, बावल व धारूहेड़ा क्षेत्र की अनेक कम्पनियों में कर्मचारी आपूर्ति के लिए 12 मई को प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक अटेली के सरकारी महिला कॉलेज के नजदीक ओरियन कंप्यूटर सेंटर पर रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इसमें दसवीं बारहवीं, आईटीआई और इंजीनियरिंग डिप्लोमा पास विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। इसमें मुख्य अथिति पूर्व बाल कल्याण अधिकारी प्रेम यादव होंगे। पवन कुमार ने बताया कि यह रोजगार मेला एसएसपी ग्लोबल जॉब्स द्वारा लगाया जाएगा, जिसमें बावल और आसपास के उद्योगों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। वे अनेक रोजगार मेले लगा चुके हैं और इसके सकारात्मक परिणाम आए हैं।

ग्रीन कॉरिडोर, नेशनल व स्टेट हाईवे को जोड़ता है शहर का अटेली रोड़

अटेली रोड की हालात वर्षों से खस्ता, 50 हजार आबादी को उठानी पड़ रही परेशानी

शिक्षण संस्थानों के वाहनों को भी आवागमन करने में उठानी पड़ रहीं है परेशानी, हादसे का बना रहता है डर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। सड़क में बने गहरे गड्ढे। फोटो : हरिभूमि

ग्रीन कॉरिडोर, दो नेशनल हाईवे व एक स्टेट हाईवे को जोड़ने वाले महेंद्रगढ़-अटेली मार्ग की सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। टूटी सड़क के कारण एक दर्जन गांवों की 50 हजार की आबादी को परेशानी उठानी पड़ रहीं हैं। लेकिन अधिकारियों की फाइल से कई वर्षो से कागजों से बाहर नहीं निकल पा रहीं है। बता दें कि दो-तीन वर्षों से इस मार्ग के हालात बद से बदतर हो गए हैं। नारनौल दादरी स्टेट हाईवे 148 से महेंद्रगढ़ से अटेली को जाने वाला मार्ग रास्ते में गांव भालखी के पास 152 डी को टच करता है। यहां 152 डी ग्रीन कोरिडोर का लाभ लेने के लिए कट भी दिया हुआ है। आगे जाकर यह मार्ग अटेली में यह नारनौल-रेवाड़ी रोड को मिलता है। इस मार्ग पर करीब एक दर्जन गांव आते हैं। लेकिन सड़क के चलते 50 हजार की आबादी को परेशानी उठानी पड़ रहीं हैं। महेंद्रगढ़-अटेली मार्ग को एचएसआरडीसी द्वारा चौड़ा करके बनाया जाना है।

करीब एक वर्ष पहले पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से यह सड़क एनएसआरडीसी को हैंडओवर की गई थी। वहीं इसके लिए राज्य सरकार से 40 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिल चुकी है। वहीं पिछले विभाग की ओर सड़क का निर्माण कार्य भी शुरू किया गया था। लेकिन सड़क की चौडाई बढ़ने के बाद बीच में वन विभाग की जमीन अडचन आ गई थी। जिससे चलते निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया हैं। सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं होने के चलते एक करीब वर्ष से कई गांवों के लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रहीं हैं। ग्रामीण सड़क का पेचवर्क करने की मांग कर रहे हैं। ग्रामीण पेचवर्क का कार्य शुरू कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन भी कर चुके हैं।

हादसों का बना रहता है डरः अशोक कुमार

ग्रामीण अशोक कुमार का कहना है कि इस मार्ग की सड़क पर गहरे गड्ढे बन चुके हैं। कई बार लोग गड्ढों में गिरकर घायल हो चुके हैं। जिला प्रशासन के अधिकारियों के समक्ष कई बार सड़क बनाने की मांग रखी जा चुकी है, लेकिन उनकी मांग पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। जिला प्रशासन के अधिकारी कोई बड़ा हादसा होने का इंतजार कर रहे है।

ग्रामीणों को परेशानी:नरेंद्र

ग्रामीण नरेंद्र वर्मा का कहना है कि इस सड़क की हालात बिल्कुल खस्ता हो चुकी हैं। आए लोग सड़क गिरकर हादसे का शिकार हो रहें हैं। कई बार जिला प्रशासन के अधिकारियों को इस बारे में अवगत कराया जा चुका हैं। काफी लंबे समय से अधिकारी कह रहे हैं कि सड़क की मरम्मत की जाएंगी। लेकिन अभी तक मरम्मत का कार्य शुरू नहीं हो पाया हैं।

एक दर्जन गांवों के लोग है परेशानः विनोद

गांव भांडोर निवासी विनोद ने बताया कि सड़क में काफी गहरे गड्ढे हो चुके हैं। फिलहाल बारिश हुई हैं। सड़क पर पानी भरा होने के कारण गड्ढे दिखाई नहीं देते। ऐसे में हादसा होने की आशंका बनी रहती हैं। टूटी सड़क के कारण करीब एक दर्जन गांवों के ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ रहीं हैं।

जल्द कराई जानी चाहिए मरम्मत:संदीप

ग्रामीण संदीप कुमार का कहना है कि लंबे समय से सड़क की हालात खस्ता है। सड़क का निर्माण कार्य शुरू होने में लंबा समय लग सकता है। ऐसे में ग्रामीण की सुविधा को देखते हुए पहले सड़क की मरम्मत कराई जानी चाहिए। इससे करीब एक दर्जन गांवों के लोगों को फायदा मिलेगा।

महेंद्रगढ़। अग्नि सुरक्षा जागरुकता कार्यक्रम में प्रशिक्षण देते विशेषज्ञ।

आपातकालीन स्थिति में क्षति कम करने का प्रशिक्षण दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

गांव जाट पाली स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अग्निशमन विभाग के सहयोग से रविवार को अग्नि सुरक्षा एवं क्षति जागरूकता पर केंद्रित सत्र आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वविद्यालय के सहभागियों को अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन स्थिति में क्षति को कम करने का प्रशिक्षण दिया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आपातकालीन स्थिति में जागरूकता और तत्परता के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संघर्षों से मिले, सबक आज भी न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बल्कि विश्वविद्यालय समुदाय की सुरक्षा के लिए भी प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम में अग्निशमन विभाग के विशेषज्ञ सब-फायर आफिसर विकास कुमार द्वारा व्याख्यान और लाइव अग्निशमन प्रदर्शन के माध्यम से सामान्य और आपातकाल दोनों स्थितियों में अग्नि रोकथाम और क्षति को कम करने का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि चाहे युद्ध का समय हो या दिन-प्रतिदिन की आपात स्थिति, जागरूकता और त्वरित प्रतिक्रिया नुकसान को काफी हद तक कम कर सकती है और समुदायों की रक्षा कर सकती है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने अग्निशमन विभाग की टीम को उनकी सेवा और सार्वजनिक सुरक्षा में बहुमूल्य योगदान के लिए सम्मानित भी किया।

सत्र का समापन एक सामूहिक संदेश तैयारी जीवन बचाती है, के साथ हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सुरक्षा अधिकारी कशिश सूद व सिक्योरिटी इंस्पेक्टर सुरेश कुमार ने सक्रिय भूमिका निभाई।

राव रामचंद्र मेमोरियल पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया मातृत्व दिवस

- माताओं के सम्मान में गीत, कविताएं प्रस्तुत की गईं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में भाग लेते शिक्षक एवं विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

कनीना स्थित राव रामचंद्र मेमोरियल पब्लिक स्कूल में मातृत्व दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और भावनात्मक वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण को सुंदर ढंग से सजाया गया था और बच्चों ने अपनी माताओं के लिए विशेष कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था की चेयरपर्सन ने दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने माताओं के सम्मान में गीत, कविताएं, नाटक और नृत्य प्रस्तुत किए। छोटे-छोटे बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए अभिनय और नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। कुछ बच्चों ने अपनी माताओं के लिए खुद लिखी कविताएं भी सुनाईं, जिससे माहौल भावुक हो गया।

चेयरमैन रोशनलाल यादव ने माताओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मां ही बच्चे की प्रथम शिक्षक होती है और उनका प्यार और मार्गदर्शन जीवन भर साथ रहता है। उन्होंने सभी माताओं को धन्यवाद देते हुए उनके योगदान की सराहना की। इस अवसर पर विभिन्न खेल और प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

मातृ दिवस पर हरित वसुंधरा आधार समिति बैठक आयोजित

नारनौल। मोहल्ला पीरागा में रविवार को हरित वसुंधरा की 33वीं आम सभा का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य समिति की पिछली आमसभा की बैठक में हुए निर्णयों के क्रियान्वयन पर चर्चा व आगामी वर्षा ऋतु में किए जाने वाले पौधारोपण की रूपरेखा पर चर्चा कर इसकी रूपरेखा तैयार की गई। आम सभा समिति प्रधान एडवोकेट हर्ष सैनी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस अवसर पर समिति के 32 सदस्यों की उपस्थिति में पौधारोपण पर गहन चर्चा कर कार्य योजना तैयार की। बैठक के दौरान आनंद स्वामी ने समिति सदस्यों को पर्यावरण से जुड़े विषयों पर सम्बोधित किया। समिति के सभी सदस्यों ने अत्यंत रूचि व गंभीरता के साथ पर्यावरण पर स्वामी के प्रेरक विचार सुने। इस अवसर पर केके कॉन्सेप्ट क्लासेज की ओर से समिति की सभी मातृशक्ति सदस्यों को सम्मानित किया। समिति की परंपरा के अनुसार इस बैठक के दौरान किसी भी सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग नहीं किया गया। हरित वसुंधरा आधार समिति के संस्थापक सदस्य सुरेश कुमार का धन्यवाद किया। इस अवसर पर सभा में आए सदस्यों को पौधा देकर सम्मनित किया।

सूरज स्कूल में उत्साह से मनाया मदर्स डे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में भाग लेते शिक्षक एवं विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सूरज स्कूल नारनौल में मदर्स डे के उपलक्ष्य में एक भव्य व भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ हुई। स्कूल प्रबंधन द्वारा आमंत्रित सभी माताओं का पारंपरिक रूप से माला पहनाकर, तिलक लगाकर तथा पुष्प भेंट कर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में सूरज ग्रुप की डायरेक्टर गायत्री यादव ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि मां सिर्फ एक शब्द नहीं, संपूर्ण सृष्टि की जननी है। वह परिवार की नींव और संस्कारों की प्रथम पाठशाला है। उनकी वाणी ने उपस्थित सभी माताओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों द्वारा प्रस्तुत नृत्य, गीत और लघु नाटिका मां की ममता ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। विशेष रूप से कक्षा पांचवीं की छात्रा अन्वी द्वारा प्रस्तुत कविता मां तेरी ममता पर दर्शकों की आंखें नम हो उठीं। इस दौरान मां की गोद में बचपन नामक खेल प्रतियोगिता करवाई गई, जिसमें बच्चों ने अपनी माताओं को आंखों पर पट्टी बांधकर पहचानने की कोशिश की। इस खेल ने सबको हंसी से सराबोर कर दिया। प्राचार्या रितू चहल ने कहा कि मां केवल एक रिश्ता नहीं, एक भावना है।

अभिभावकों ने बैठक में जानी अपने बच्चों की प्रगति रिपोर्ट

भोजावास स्कूल में अभिभावक अध्यापक बैठक आयोजित

महेंद्रगढ़। बैठक में भाग लेते शिक्षक एंव अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

गांव भोजावास स्थित मॉडर्न वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में अभिभावक-अध्यापक बैठक का आयोजन किया गया। सभी अभिभावकों ने अपने बच्चों की अप्रैल महीने के रिवीजन टेस्ट की रिपोर्ट उनके कक्षा अध्यापक से प्राप्त की तथा बच्चों के द्वारा दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाएं भी अभिभावकों ने देखी। अभिभावकों ने अपने बच्चों की पढ़ाई से संबंधित समस्याओं के बारे में अध्यापकों से बात की। अध्यापकों ने अभिभावकों से कहा कि आप घर पर बच्चों पढ़ाई का माहौल तैयार करें, ताकि बच्चों को आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में पीछे मुड़कर न देखना पड़े। अध्यापकों ने अभिभावकों से यह भी आग्रह किया कि आप अपने बच्चों को मोबाइल से दूर रखें तथा इससे होने वाली हानियों के बारे में बच्चों को बताएं। इस अवसर पर संस्था के निदेशक हवा सिंह यादव व राजकुमार यादव ने पीटीएम में पहुंचने वाले सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

आतंकी हमले में हुए थे गिरीराज रावत शहीद

वायुसेना के शहीद गिरीराज रावत की पुण्यतिथि पर लगाया रक्तदान शिविर, 72 यूनिट एकत्रित

2024 में कानपुर में रात को गश्त के दौरान आतंकी हमले में शहीद हो गए थे गिरिराज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। शिविर में रक्तदाताओं को सम्मानित करते कांग्रेसी नेता महेश सोडा।

भारतीय वायुसेना में सेवारत रहे शहीद गिरीराज रावत ढाणी तिहागिया की प्रथम बरसी पर रायमलिकपुर बस स्टैंड पर रक्तदान शिविर लगाया गया। कैंप का शुभारंभ वरिष्ठ कांग्रेसी नेता महेश सोडा ने किया। जिसमें शहीद का छोटा भाई सतीश गुर्जर व लीलू राम गुर्जर मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के साहस का उल्लेख किया तथा युवाओं को राष्ट्र सुरक्षा में योगदान देने का संदेश दिया।

इस अवसर पर उन्होंने बताया कि गिरीराज रावत को भारतीय सेना में भर्ती होने का जुनून था। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करते ही उन्होंने वायुसेना के लिए आवेदन किया तथा पहले ही प्रयास में सफल हो गए। उन्होंने बताया कि 2024 में कानपुर में तैनात थे तथा रात को गश्त कर रहे थे। इसी दौरान आतंकी हमले में घायल हो गए। जिसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। शहीद की प्रथम बरसी पर ग्रामीण युवाओं ने रक्तदान शिविर लगाने का निर्णय लिया। शिविर में सुबह आठ बजे पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की। जिसमें 72 युवाओं ने रक्तदान करके देश भक्ति का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि घायल सैनिक को सबसे पहले रक्त की जरूरत होती है, ऐसे में शिविर में एकत्र रक्त सैनिक या अन्य पीड़ति को जीवनदान देने में काम आता है। शहीद गिरीराज रावत रचनात्मक कार्यों में विशेष रूची रखते थे।

बेटियों की शादी में मदद का अभियान

उन्होंने जरूरतमंद परिवारों की बेटियों की शादी में मदद करने का अभियान चलाया था। शहीद के पिता हरीराम रावत ने बताया गिरीराज ने हमेंशा राष्ट्र हित और सुरक्षा को प्राथमिकता दी है। उनकी जीवनी से युवाओं को समाज और देशभक्त होने की प्रेरणा मिलती रहेगी। इस मौके पर देशराज नायन, इंद्रराज गांधी सरपंच भेडटी, हरीश रावत, डॉक्टर धर्मपाल मैनेजर, जोगिंद्र रावत, धर्मेंद्र योगी सरपंच, गुगनराम जेलदार नियामतपुर, बिल्लू त्यागिया, कैलाश नंबरदार, जिलेसिंह बॉक्सर, विजेंद्र रावत, रामनिवास गुर्जर आदि मौजूद रहे।